or with anybody else. *(Interruptions)* No search action is carried out against any such Congress leader.

MR. CHAIRMAN: Now, Question No. 222. *(Interruptions)*

श्री सुरेश पचौरी: सर, यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है, इस पर हाफ-एन-ऑवर डिस्कशन होनी चाहिए। (**व्यवधान**)...सर, यह सदन बहुत सारी चीजें जानना चाहता है, आपकी कृपा होगी अगर इस पर हाफ-एन-ऑवर डिस्कशन अलाऊ किया जाए। (**व्यवधान**)...हाफ-एन-ऑवर डिस्कशन के लिए आज्ञा प्रदान की जाए, ऐसा अनुरोध है।

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, many of us wanted to put questions. *(Interruptions)*

नागर विमानन क्षेत्र में विदेशी कम्पनियों का प्रवेश

*222. **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नागर विमानन क्षेत्र में विदेशी कम्पनियों के प्रवेश के संबंध में सरकार की नीति क्या है;

(ख) नागर विमानन क्षेत्र में सिंगापुर एयरलाइन्स द्वारा निवेश हेतु व्यक्त की गई इच्छा के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) नागर विमानन क्षेत्र में अब तक विदेशों से कितना निवेश प्राप्त हुआ है और यह निवेश किन-किन एयरलाइन्स ने किया है?

नागर विमानन मंत्री (श्री शरद यादव): (क) से (ग) एक विवरण सदन के सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) घरेलू विमान परिवहन सेक्टर में अनिवासी भारतीय (एनआरआई)/विदेशी निगमित निकायों (ओसीबी) की भागीदारी 100% जबकि विदेशी इक्वित्टी भागीदारी 40% की अनुमति है। तथापि, विदेशी एयरलाइंस इक्विटी की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मनाही है।

(ख) चूंकि घरेलू विमान परिवहन सेवा सेक्टर में विदेशी एयरलाइंस इक्विटी की अनुमति नहीं है इसलिए मै सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से घरेलू विमान परिवहन सेवा सेक्टर में भागीदारी हेतु निवेश, यदि कोई हो, के विषय में विचार नहीं किया जा सकता है।

(ग) घरेलू नागर विमानन सेक्टर में अनुमोदित विदेशी निवेश को दर्शाने वाली तालिका संलग्न है।

तालिका

घरेलू विमान परिवहन सेवा सेक्टर में अनुमोदित एनआरआई/ओसीबी तथा विदेशी निवेश प्रस्ताव

क्र. सं॰	कम्पनी का नाम	अनुमोदन की तारीख	राशि (करोड़ रुपए में)	निवेश के स्वरूप का विवरण	टिप्पणी
1.	मैसर्स इंडिया इंटरनैशनल एयरवेज (प्रा.) लि.	24.12.1991	0.40	श्री सुरिन्दर गिल, एनआरआई का इक्विटी शेयर	भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा। वर्तमान में अनुसूचित प्रचालकों के रूप में प्रचालन कर रही है।
2.	मैसर्स जेट एयरवेज (इंडिया) प्रा. लि.	28.6.1993	5.00	40 प्रतिशत विदेशी इक्विटी (20 प्रतिशत गल्फ एयर को तथा 20 प्रतिशत मैसर्स कुवैत एयर को) 60 प्रतिशत एनआरआई/ ओसीबी (मैसर्स टेलविंड्स आइल ऑफ मैन)	अनुसूचित एयरलाइन के रूप में प्रचालन कर रही है। दिनांक 1.4.1997 के सरकार के निर्णय कि किसी भी विदेशी एयरलाइन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इक्विटी भागीदारी की अनुमति नहीं होगी तथा यह कि मौजूदा विदेशी एयरलाइनों की इक्विटी का 6 महीने के भीतर विनिवेश किया जाए, के परिणामस्वरूप दिनांक 31.10.1997 को संपूर्ण 40 प्रतिशत विदेशी एयरलाइन इक्विटी का विनिवेश कर दिया गया था।
3.	मैसर्स लैंडलॉर्डस वर्ल्ड इनकॉर्पोरेट	04.05.1999	8.52	13.51 प्रतिशत विदेशी इक्विटी होल्डिंग (2.88 करोड़ रुपए) कनाडा वासियों से।	

क्र. सं॰	कम्पनी का नाम	अनुमोदन की तारीख	राशि (करोड़ रुपए में)	निवेश के स्वरूप का विवरण	टिप्पणी
				26.49 प्रतिशत एनआरआई (5.64 करोड़ रुपए) (कनाडा से)	
4.	मैसर्स एउलस एविएशन	18.02.1994	4.50	75 प्रतिशत एनआरआई (श्री के. पारेख, यूएसए) (65 प्रतिशत रिपैटरिएबल तथा 10 प्रतिशत ओसीबी ओमान होल्डिंग इटरनेशनल)	
5.	मैसर्स लुफ्थांसा कार्गो इंडिया प्रा. लि.	09.10.1995	23.75	95 प्रतिशत एनआरआई/ओसीबी (57 प्रतिशत हिन्दुजा द्वारा तथा 38 प्रतिशत लुफ्थांसा एजी जर्मनी द्वारा)।	केवल अंतरराष्ट्रीय हवाई कार्गो सेवा का प्रचालन किया।
6.	मैसर्स बंगाल एयर सर्विसेज लि.	05.01.1996	3.00	5 प्रतिशत नेपाल के नेकॉन एयर द्वारा 60.00 लाख रुपए की विदेशी इक्विटी 20 प्रतिशत 240.00 लाख रुपए का एनआरआई।	तदनुसार, इस नीति निर्धारण के कारण कि विदेशी एयरलाइन इक्विटी की अनुमति नहीं होगी, कम्पनी ने अनुमोदन का उपयोग नहीं किया।
7.	मैसर्स टीसीजी एविएशन प्रा. लि.	18.03.1996	20.00	100 प्रतिशत मैसर्स टीसीजी एविएशन (मारिशस लि., मारिशस) द्वारा रिपैरिएबल आधार पर एनआरआई/ओसीबी।	
8.	मैसर्स एलबी एयरलाइंस लि.	16.08.1996	4.82	46.38 प्रतिशत रिपैटरिएबल (400.00 लाख रुपए)	

				9.46 प्रतिशत नान-रिपैटरिएबल (81.62 लाख रुपए) 55.84 प्रतिशत महसर्स सीएसएलबी एविएशन, होल्डिंग्स (मारिशस लि.) द्वारा एनआरआई/ओसीबी	
9.	मैसर्स ट्रांस इंडिया एयरलाइंस प्रा. लि.	02.05.1997	16.00	100 प्रतिशत एनआरआई/ओसीबी (50 प्रतिशत रिपैटरिएबल पर)।	
10.	मैसर्स एस्योर्ड एयरवेज लि.	02.05.1997	2.00	50 प्रतिशत एनआरआई इक्विटी श्री अजीत राघव एण्ड एसोसिएट्स, थाईलैंड द्वारा (40 प्रतिशत रिपैटरिएबल आधार पर)	
11.	मैसर्स डेक्कन एयरलाइंस प्रा. लि.	02.05.1997	2.64	51 प्रतिशत एनआरआई/ओसीबी, रिपैटरिएबल आधार पर	
12.	मैसर्स महारिषी इंटरनैशनल बिजनिस डेवलपमेन्ट प्रा. लि.	02.05.1997	1.00	100 प्रतिशत एनआरआई/ओसीबी, रिपैटरिएबल आधार पर	
13.	मैसर्स मोदीलुफ्थ लि.	26.12.1997	200.00	एफडीआई रुपया मूल्य जारी करने के लिए 50.00 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि के लिए प्रत्येक 100/-रुपए अंकित मूल्य के संचयी/परिवर्तनीय/विमोच्य अधिमानी शेयर। (1 अमरीकी डॉलर-40/-रुपए की दर से 200 करोड़ रुपए)।	मैटेरियलाइनज नहीं हुआ।

क्र. सं॰	कम्पनी का नाम	अनुमोदन की तारीख	राशि (करोड़ रुपए में)	निवेश के स्वरूप का विवरण	टिप्पणी
14.	मैसर्स अजल इंडिया प्रा. लि.	07.04.1999	0.40	40 प्रतिशत विदेशी इक्विटी, मैसर्स अजल अजरबैजान एविएशन लि., आयरलैंड द्वारा	एक गैर-अनुसूचित प्रचालक।
15.	मैसर्स मोदीलुफ्थ लि.	11.02.2000	70.00	एफडीआई रुपया मूल्य जारी करने के लिए 17.50 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि के लिए प्रत्येक 100/-रुपए अंकित मूल्य के संचयी/परिवर्तनीय/विमोच्य अधिमानी शेयर। (मैसर्स रॉयल होल्डिंग्स सर्विस लि. एनवाई के द्वारा मैसर्स वीरस ग्रुप, कनाडा) (1 अमरीकी डॉलर 40/-रुपए की दर से 70.00 करोड़ रुपए)।	
16.	मैसर्स जेट एयरवेज (इंडिया) प्रा. लि.	14.06.2000	66.00	एफडीआई मैसर्स इंटरनैशनल फायनेंस कॉर्पोरेशन, यूएसए को अमरीकी डॉलर 15.00 मिलियन रुपए के नॉन-रोटिंग संचयी/परिवर्तनीय/विमोच्य अधिमानी शेयर जारी करना।	एक अनुसूचित प्रचालक।

Entry of foreign companies in the Civil Aviation Sector

†*222. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the policy of Government regarding entrance of foreign companies in the civil aviation sector;

(b) the reaction of Government on the intention expressed by Singapore Airlines to invest in the civil aviation sector; and

(c) the investment made so far in the civil aviation sector by the foreign countries together with the names of the airlines which have made such investment?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SHARAD YADAV): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) 100% Non-Resident Indian (NRI)/Overseas Corporate Bodies (OCB) and 40% foreign equity participation is permissible in the domestic air transport sector. However, foreign airlines equity, directly or indirectly, is prohibited.

(b) Since, foreign airlines equity in the domestic air transport services sector is not permissible, investment of M/s. Singapore airlines, if any, top participate in the domestic air transport services sector cannot be considered.

(c) A table showing the foreign investment approved in the domestic civil Aviation sector is annexed.

---

†Original notice of the question received in Hindi.

Table

NRI/OCB AND FOREIGN INVESTMENT PROPOSALS APPROVED IN THE DOMESTIC AIR TRANSPORT SERVICES SECTOR

S. No.	Name of the Company	Date of Approval	Amount (Rs. is crore)	Details of nature of investment	Remarks
1.	M/s India Int'l Airways (P) Ltd.	24.12.1991	0.40	Equity share of Sh. Surinder Gill, NRI.	By RBI. At present operating as non-scheduled operators
2.	M/s Jet Airways (India) Pvt. Ltd.	28.06.1993	5.00	40% foreign equity (20% of Gulf Air and 20% to M/s Kuwait Air 60% NRI/OCB (M/s Tailwinds, Isle of Mann)	Operating as scheduled airlines. Consequent to Govt's decision on 1.4.1997 that no foreign airlines equity participation, directly or indirectly, would be permissible and that the existing foreign airlines equity be disinvested within 6 months. The entire 40% foreign airline equity was disinvested on 31.10.1997.
3.	M/s Landlords World Inc.	04.05.1994	8.52	13.51% foreign equity holding (Rs. 2.88 crores) from Canadians 26.49% NRI (Rs. 5.64 crores) (from Canada)	
4.	M/s Aeolus Aviation	18.02.1994	4.50	75% NRI (Shri K. Parekh, USA) (65% repatriable and 10% OCB Oman Holding Int'l)	
5.	M/s Lufthansa Cargo India Pvt. Ltd.	09.10.1995	23.75	95% NRI/OCB (57% by Hinduja and 38% by Lufthansa AG Germany)	Operating only international air cargo services

6.	M/s Bengal Air Services Ltd.	05.01.1996	3.00	5% foreign equity by NECON Air of Nepal of Rs. 60.00 lakhs 20% NRI of Rs. 240.00 Lakhs	Subsequently, due to the policy decision that foreign airline equity will not be allowed, the company did not utilise the approval.
7.	M/s TCG Aviation Pvt. Ltd.	18.03.1996	20.00	100% NRI/OCB on repatriable basis by M/s TCG Aviation (Mauritius Ltd., Mauritius)	
8.	M/s Elbee Airlines Ltd.	16.08.1996	4.82	46.38% repatriable (Rs. 400.00 lakhs) 9.46% non-repatriable (Rs. 81.62 lakhs) 55.84% NRI/OCB by M/s CSLB Aviation Holding (Mauritius Ltd.)	
9.	M/s Trans India Airlines Pvt. Ltd.	02.05.1997	16.00	100% NRI/OCB (50% on repatriable)	
10.	M/s Assured Airways Ltd.	02.05.1997	2.00	50% NRI equity by Sh. Ajit Raghav and Associates, Thailand (40% on repatriable basis)	
11.	M/s Deccan Airlines Pvt. Ltd.	02.05.1997	2.64	51% NRI/OCB on repatriable basis	
12.	M/s Maharishi Int'l Business Dev. Pvt. Ltd.	02.05.1997	1.00	100% NRI/OCB on repatriable basis	

S. No.	Name of the Company	Date of Approval	Amount (Rs. is crore)	Details of nature of investment	Remarks
13.	M/s Modiluft Ltd.	26.12.1997	200.00	FDI for issue of Rupee Denomination 14% Cumulative Convertible/ Redeemable Preference Shares of face value of Rs. 100/- each for an amount US$ 50.00 million. (Rs. 200 crores @ 1 US$-Rs. 40/-)	Did not materialise
14.	M/s Azal India Pvt. Ltd.	07.04.1999	0.40	40% Foregin equity by M/s Azal Azarbaijan Aviation Ltd., Ireland.	A non-scheduled operator.
15.	M/s Modiluft Ltd.	11.02.2000	70.00	FDI for issue of Rupee Denomination 14% Cumulative Convertible/ Redeemable Preference Shares of face value of Rs. 1000/- each for an amount US$ 17.50 million. (M/s Verus Group, Canada through M/s Royal Holdings Service Ltd. NY). (Rs. 70.00 crores @ 1 US$- Rs. 40/-)	
16.	M/s Jet Airways (India) Pvt. Ltd.	14.06.2000	66.00	FDI issue of Non-roting Cumulative Convertible Redeemable Preference Shares of US$ 15.00 million to M/s International Finance Corpn., USA	A scheduled operator

श्री नरेन्द्र मोहन: माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न का जो उत्तर दिया है, वह अधूरा उत्तर है। मेरा प्रश्न था कि 'नागर विमानन क्षेत्र में विदेशी कम्पनियों के प्रवेश के संबंध में सरकार की नीति क्या है'? सरकार ने जो नीति बताई है, वह घरेलू विमान परिवहन के मामले में बताई है। मैं समझता हूं कि मंत्री जी इस बात को जानते हैं कि एयर इंडिया भी नागर विमानन क्षेत्र के अंतर्गत आती है और जब एयर इंडिया इस क्षेत्र के अंतर्गत आती है तो एयर इंडिया के बारे में स्वयं केबिनेट ने भी डिसीज़न लिया है और मंत्री जी ने भी कि वहां विदेशी पूंजी का निवेश हो सकता है। मैं एक रिपोर्ट पढ़कर सुना रहा हूं, उसमें है कि:-

Civil Aviation Ministry has recommended that foreign airlines be allowed to pick up 25 per cent of the Government equity in Air India as a strategic partner.

इसके अलावा और भी है विदेशी पूंजी एयर इंडिया में भी आ सकती है। जहां तक घरेलू विमान सेवा की बात है, उसमें जेट विमान सेवा के बारे में जानते हैं, उन्होंने किस प्रकार से सिंगापुर एयरलाइंस को रोका। मंत्री जी कृपा करके यह बताएं कि टाटा समूह जब भारत में विमानन सेवा लागू करना चाहता था तो वह किसके आधार पर लागू करना चाहता था? क्या वह विदेशी पूंजी नहीं ला रहा था, किस तरीके से ला रहा था? सिंगापुर एयरलाइंस क्या अपने बलबूते पर आ रही थी? आखिर वास्तविक नीति क्या है आपकी? कहां तक आप विदेशी पूंजी को लाना चाहेंगे और अगर विदेशी विमान सेवाएं आ जाती हैं भारत में तो उससे क्या क्षति हो सकती है और कितनी क्षति हो सकती है, क्या इस पर आप प्रकाश डालेंगे?

श्री शरद यादव: सभापति जी, माननीय सदस्य श्री नरेन्द्र मोहन जी ने जो सवाल किया है उसके ए, बी, सी, इन तीनों भागों को एक साथ पढ़ें तो मालूम होता है कि उन्होंने डोमेस्टिक पॉलिसी के बारे में पूछा है और उसी की बाबत मैंने उनको जवाब दिया है। यानी डोमेस्टिक एयरलाइंस में हमारी पालिसी साफ-साफ है।

श्री नरेन्द्र मोहन: माननीय सभापति महोदय, आप स्वयं पढ़ लें, तीनों सवाल हैं ...**(व्यवधान)**

श्री शरद यादव: डोमेस्टिक के बारे में जो माननीय सदस्य का प्रश्न था नंबर (च) निश्चित तौर पर उसमें पूरी ऐवियेशन पालिसी विनिवेश के मामले में कवर हो सकती है लेकिन अगर तीनों सवाल पढ़ेंगे तो वह डोमेस्टिक बन जाता है...

श्री नरेन्द्र मोहन: सभापति जी, अगर आप उचित समझते हैं तो मेरे पहले सप्लीमेंटरी का जवाब दिलवा दीजिए, मैं आपकी दया और कृपा पर निर्भर हूं। सभापति जी, मैंने ये तीनों प्रश्न हिन्दी में भेजे थे और (क), (ख) और (ग) में मैंने केवल नागर विमानन क्षेत्र के बारे में बात की है और उसके बाद मैंने स्पष्ट जानना चाहा है कि विदेशी कंपनियां भारत में नागर विमानन क्षेत्र में पैसा लगा सकती हैं या नहीं? यह मेरा पहला सप्लीमेंटरी था। ''घरेलू'' शब्द उसमें नहीं है, ''घरेलू''

शब्द उसमें बिल्कुल नहीं है। "Foreign Airlines in Air India proposed" यह Business Standard में निकला था और इसी आधार पर मैंने यह सवाल बनाया था और साथ ही यह प्रश्न किया था पहले सप्लीमेंटरी में कि टाटा समूह भारत में घरेलू विमान सेवा चालू करना चाहता था और सिंगापुर एयरलाइंस के साथ साझा तौर पर करना चाहता था। यह पिछली सरकारों के समय की बात भले ही हो लेकिन यह बताइए कि उस मामले में आखिर हुआ क्या है? आखिर वर्तमान नीति क्या है? सभापति महोदय, इसके बाद मुझे दूसरा सप्लीमेंटरी पूछने का अवसर दीजिए। मेरे पहले सप्लीमेंटरी का ही जवाब नहीं आया है।

श्री सभापति: दोबारा नहीं मिलेगा।

श्री नरेन्द्र मोहन: सभापति जी, मेरे पहले प्रश्न का ही उत्तर नहीं मिला है।

श्री शरद यादव: सभापति जी, माननीय सदस्य को मैं बताना चाहता हूं कि जो विनिवेश की पालिसी है, उसमें एयरपोर्ट्स एथॉरिटी के मामले में 74 परसेंट है ...(**व्यवधान**) सभापति जी, मुझे आपका थोड़ा सा प्रोटेक्शन चाहिए। यह अजीब बात है वह पूरी पालिसी पूछ रहे हैं तो मैं पूरी पालिसी बता देता हूं। विनिवेश के मामले में मोटी-मोटी बात मैं आपके सामने रखना चाहता हूं एयर इंडिया के मामले में ...(**व्यवधान**)

श्री संजय निरुपम: इन्वैस्टमेंट पालिसी बताइए, डिसइन्वैस्टमैंट पर क्वश्चिन नहीं है ये।

श्री नरेन्द्र मोहन: सभापति महोदय, यह पूंजी निवेश पर प्रश्न है एयर इंडिया के बारे में ...(**व्यवधान**)

श्री शरद यादव: सभापति जी, कोई अंतर नहीं है ...(**व्यवधान**) मैं इस सवाल की मंशा को बहुत अच्छी तरह समझता हूं और माननीय नरेन्द्र मोहन जी ने जो पूछा है, उसकी मंशा को अच्छी तरह समझता हूं। इंडियन एयरलाइंस में हमने यह तय किया है, और यह हमने तय नहीं किया है बल्कि पुरानी सरकारों के ज़माने से पालिसी बनी हुई है कि फॉरेन एयरलाइंस को डॉयरेक्टली या इनडायरैक्टली हम इंडियन एयरलाइंस में किसी तरह का कोई निवेश नहीं करने देंगे।

दूसरा एयर इंडिया के मामले में जो विनिवेश हुआ है, उसके बारे में संजय निरुपम जी जरूर लंबा-चौड़ा सवाल पूछेंगे ...(**व्यवधान**) सभापति महोदय, नरेन्द्र मोहन जी कह रहे हैं कि नहीं, मेरी मंशा यह है, उसके बारे में मेरी जो जानकारी है, उसको मैं आपके समक्ष और सदन के सामने रखना चाहता हूं।

एयर इंडिया के मामले में अभी हमने जो विनिवेश किया है उसकी इक्विटी के मामले में 10 परसेंट एयर इंडिया, 10 परसेंट एम्प्लोइज, 10 परसेंट फाइनेंसियल इंस्टीट्यूशंस और मार्केट तथा 40 परसेंट में 26 परसेंट कोई भी जो विदेशी एयर लाईंस है और 14 परसेंट इंडियन मार्केट से जो इंडियन ऑरिजन का आदमी है यह इसमें इंवेस्ट कर सकता है एयर पोर्ट में लीजिंग और एयर पोर्ट

में अभी तक हमने कोई विनिवेश नहीं किया है सिर्फ कोचीन में एन.आर.आईज., एन.आर.आईज. को हम विदेशी नहीं मानते हैं, इसलिए पूरा का पूरा पैसा कोचीन में हुआ है सिर्फ बंगलौर और देवहल्ली में विदेशी पैसे और पूंजी का विनिवेश हो रहा है। एयरपोर्ट ऑथोरिटी में हमने चार एयर पोर्ट को लीज पर देने का फैसला किया है। उसका फाइनेंसियल एडवाइजर हमने अपोइंट कर दिया है। जो नरेन्द्र मोहन जी जानते हैं। ...(व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोहन: सभापति महोदय, एक हजार करोड़ रुपया इंडिया की इक्विटी में आने की बात चल रही है। सम्भवत: यह निर्णय केबिनेट ने लिया है। मैं इसकी पुष्टि चाहता हूं कि यह एक हजार करोड़ रुपया कहां से लिया जाएगा, कैसे लिया जाएगा? मैं पढ़कर सुनाए देता हूं:

"The Civil Aviation Ministry wants the Government to inject Rs. 1,000 crores in Air India through equity".

यह इक्विटी क्या विदेशी आएगी, देशी आएगी–कैसे आएगी?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, माननीय नरेन्द्र मोहन जी को जानकारी नहीं है। फाइनेंस डिपार्टमेंट से जो हमको एक हजार करोड़ रुपया मिलना था जो डिसइंवेस्टमेंट कमीशन ने रिकमंड किया था लेकिन फाइनेंसियल स्थिति ऐसी है कि वह एक हजार करोड़ रुपया हमको नहीं मिला और न मिल सकता है।

श्री नरेन्द्र मोहन: यशवंत सिन्हा जी, आप एक हजार रुपया तो दे दें, एक हजार करोड़ रुपया दें या नहीं दें।

DR. KARAN SINGH: Mr. Chairman, Sir, I am afraid the reply and the question have got jumbled. I want to ask about the domestic air transport service. It is a well-known fact that our domestic services are highly unsatisfactory. When we compare them with the domestic services in other countries, even in developing countries, neither we have adequate planes in Indian Airlines nor do we have adequate service. It is, therefore, essential that there should be some private investment in the airline sector. He has mentioned about 16 NRIs' names in the list. Out of the 16 names that he has mentioned, it seems to me that only one private airline is functioning. I would like to know from the Minister as to what is happening to the rest. When are they going to acquire new planes? When are the passengers in India going to be able to get decent, regular and efficient air service around this country? It is too big a country to be served only by Indian Airlines. Indian Airlines often cannot function because it does not have the planes. The whole concept of opening the domestice sector—I am not talking about the foreign investment;

I am talking about the NRI investment and private investment—is to increase air services. To give an example, to my home-town, Jammu, there was never a decent air service. I never thought that I would ever get a decent air service to Jammu because the plane of Indian Airlines leaves at 6 o'clock in the morning. You have to get up at 4 o'clock. पूजा पाठ करके वहां पहुंचना पड़ता है। But now, for the first time, after a private airlines was started, there is a decent service and there is good food. So, the development of private airlines in India is good as it brings about a healthy competition. It will help everybody concerned. Would the Minister please let us know, out of the 16 projects, how many are going to materialise? Are they going to buy new planes; if so, when?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, माननीय कर्ण सिंह जी तो सिविल एविएशन मिनिस्टर रह चुके हैं और हालात किसी से छिपे नहीं हैं कि जो हमारा फ्लीट है उसका एक्सपेंशन जिस तरह से होना चाहिए था और जितना बड़ा देश है और देश की जो फाइनेंशियल हालात है, उसको देखते हुए मैंने पहले भी एक दिन बात कही थी कि स्वर्गीय राजीव गांधी के जमाने में यह ए-320 लिया गया था उस पर सी.बी.आई. की इंक्वायरी चल रही है। माननीय कर्ण सिंह जी इस मंत्रालय के मंत्री रहे हैं और उन्होंने जिन 16 एयरलाइन्स की बात की है वे भी इस देश में चलाई गई हैं। उनमें से सिर्फ दो चल रही हैं और दो में से भी एक दिक्कत में है। जो प्राइवेट एयरलाइन्स चल रही हैं, उनको खड़ा करने में हम पूरी ताकत के साथ उनकी मदद करने की कोशिश करते हैं क्योंकि हमारे पास कैपेसिटी नहीं। अभी हमने इंडियन एयरलाइन्स में पांच एयरक्राफ्ट ट्रायल लीज पर लेने का फैसला किया है जिससे कि एक्सपैंशन हो सके। माननीय कर्ण सिंह जी ने इस संबंध में सवाल पूछा है। हमने अपनी सर्विसेज को अप टू दा मार्क करने के लिए, एक्सपैंशन करने के लिए एयरक्राफ्ट लीज पर लेने का निर्णय लिया है। हमने एयर इंडिया में भी ट्रायल लीज पर लेने का काम शुरू किया है। नये एयरक्राफ्ट लिए जाए इनके लिए हमने पांच साल की फेज मैनर में योजना बनाई है। हम उसमें भी लगे हुए हैं और निश्चित तौर पर इस सारी चीजों को देखते हुए, यानी विनिवेश का कांग्रेस पार्टी से जमाने से जो सिलसिला चला हुआ है, उसको हमने एक्सपैंड किया है। हमारे पास सम्पत्ति नहीं है, सौदा नहीं है इसलिए जो स्ट्रैटजिक पार्टनर बनकर मनी लगाएगा जिससे कि हमारा जो सिविल एविएशन सैक्टर है, जो इंडस्ट्री के लिए, उद्योग के लिए, धंधे के लिए, पूरे देश की कनेक्टिविटी के लिए, जो कमजोर इलाके हैं उनकी कनेक्टिविटी के लिए हमने यह फैसला किया है कि इंडियन एयरलाइन्स का जो मैनेजमेंट है वह इसमें पैसा भी लगाये और इसका बेहतर तरीके से एक्सपैंशन भी करे। मार्केट में कम्पीटीशन बहुत बढ़ गया है इसलिए हमने जो फैसला किया है वह आपकी इच्छानुसार ही किया है।

श्री जीवन राय: इंडियन एयरलाइन्स की सर्विस प्राईवेट से अच्छी है।

श्री शरद यादव: वह खराब कह रहे हैं।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Mr. Chairman, Sir, my qustion is about investment in the civil aviation sector. We understand that the Disinvestment Commission has recommended 20 per cent disinvestment in Air India; whereas the Ministry of civil Aviation is not agreeable to this 20 per cent disinvestment. I would like the hon. Minister to clarify as to what is the stand of the Ministry of Civil Aviation with regard to the disinvestment of Air India.

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, डिसइन्वेस्टमेंट पर इस सदन में डिबेट हो चुकी है। डिस-इन्वेस्टमेंट का डिपार्टमेंट अलग है। यह सवाल मेरे मंत्रालय से वास्ता नहीं रखता है। यह सवाल अलग है।

श्री दीपांकर मुखर्जी: आपकी राय क्या है? यह आपसे जानना चाहते हैं।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I would like to know whether Air India is under your Ministry or not. I am asking about hon. Minister's views on disinvestment of Air India. I am not asking about the Commission. I am talking about Air India. Does the Ministry of Civil Aviation want disinvestment of Air India or not?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, यह गवर्नमेंट, लोकशाही की सरकार है और यह केबिनेट की जिम्मेदारी है। पालिसी केबिनेट की होती है किसी एक की नहीं होती है, यह किसी एक मिनिस्टर की नहीं होती है।

श्रीमती जयंती नटराजन: शरद जी, आप तो बिल्कुल सपोर्ट नहीं करते हैं।

श्री जीवन राय: शरद जी, इधर से सपोर्ट मिलेगा, उधर से नहीं। .....**(व्यवधान)**

DR. L.M. SINGHVI: Mr. Chairman, Sir, I would like to know from the hon. Minister whether they are reorganising the marketing operations of Air India within the outside the country. If so, what are the details?

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, यह सवाल जो माननीय सदस्य ने उठाया है इसमें कई तरह के कदम उठाये गए हैं। इन कदमों के बारे में अभी मेरे पास पूरी जानकारी नहीं है। मैं माननीय सदस्य को उसकी पूरी जानकारी पहुंचा दूंगा।

SHRI K.K. BIRLA: Mr. Chairman, Sir, the current disinvestment policy in respect of Air India is to give 26 per cent equity to a foreign airline, 14 per cent an Indian partner and 60 per cent to

others. As the foreign partner will have 26 per cent equity, he will be the dominant partner and he will run the Air India. The truth is that whatever mask the Government puts on, we are giving away Air India to foreigners. It is ridiculous to think that just because the Government does not know how to run Air India, no Indian can run it. Air India did we when...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Drug Menace in the Country

*223. SHRI K. KALAVENKATA RAO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pakistan has been reportedly pushing new kinds of narcotics into Jammu and Kashmir as part of its efforts to fund cross-border terrorism; and

(b) if so, the action taken to stop spreading the menace of such drugs in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI V. DHANANJAY KUMAR): (a) Sir, the Government has not received any such report about new kinds of narcotics. However, seizure of opium, heroin and hashish has been made in Jammu and Kashmir.

(b) Government has adopted a multi-pronged strategy, which includes gearing up of the intelligence machinery, modernization and upgradation of police, border fencing, intensified border patrolling etc.

Formation of National Co-operative Bank

*224. SHRI K.M. SAIFULLAH:
DR. ALLADI P. RAJKUMAR:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government propose to amend the banking law to allow formation of a National Co-operative Bank;